



NEWSLETTER

शनिवार, 11 फ़रवरी 2023 | वॉल्यूम - 32

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE

महाराष्ट्र:

बाजार में कपास की
उपलब्धता घटी: **मंजीत सिंह चावला**

**TOP 5
NEWS
OF THE
WEEK**



**GOLD : 56780
SILVER : 66735
CRUD OIL : 6563**

इस सीजन धीमी आवक ने कॉटन व्यापारियों का खासकर जिनर्स का काफी नुकसान किया है। दिसंबर के बाद आवक की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ लेकिन जैसे ही एमसीएक्स लॉन्च होने की खबर आई आवक दोबारा धीमी पड़ गई। दरअसल, इस खबर को बड़े किसानों और जमींदारों ने कॉटन कीमतें फिर से बढ़ने का इशारा समझा है। नतीजा, उन्होंने अपना माल बेचने पर एक बार फिर रोक लगा दी है। अब स्थिति 13 फरवरी को एमसीएक्स लॉन्च होने के बाद ही स्पष्ट होगी।



एमसीएक्स के दोबारा लॉन्च होने की खबर से फिर धीमी पड़ी आवक

अमित सीता राम शर्मा
(विजय नगर, राजस्थान)

फसल का सही अनुमान जरूरी

कॉटन व्यापार में फसल का सही अनुमान लगा पाना व्यापार की नीति बनाने के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन यहां सही अनुमान कोई नहीं लगा पाता। जैसे ही बुआई शुरू होती है। रकबे के आधार पर फसल का अनुमान लगाना शुरू कर दिया जाता है जबकि फसल पूरी तरह से मौसम पर निर्भर करती है। इस साल भी बारिश की वजह से हरियाणा और पंजाब की बहुत फसल बर्बाद हो गई। फसल का सही अनुमान लगाना है तो उसका आंकलन आधी फसल पक जाने के बाद करना चाहिए। इससे हम काफी हद तक सही आंकड़े के नजदीक पहुंच पाएंगे।

नई पीढ़ी को सुझाव

कॉटन व्यापार का सीजन 6 से 8 महीने का होता है लेकिन मेहनत पूरे साल की होती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां किताबी ज्ञान से कहीं ज्यादा अनुभव काम आता है। इसलिए खूब मेहनत करें और अनुभव कमाएं। यही आगे बढ़ने की कूजी है।

15 फरवरी से पहले मुश्किल है आवक में सुधार

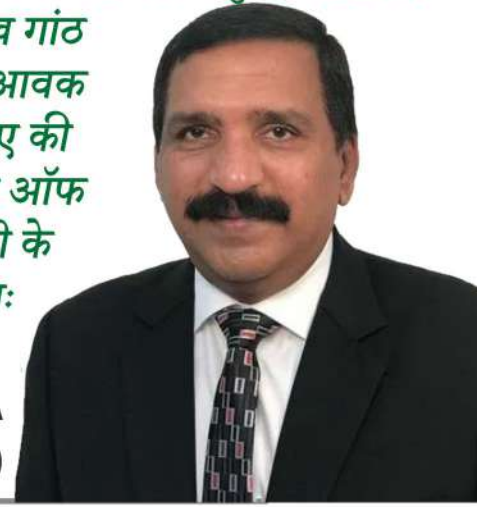
राजस्थान स्थित विजय नगर क्षेत्र के जाने-माने कॉटन ब्रोकर अमित सीता राम शर्मा ने व्यापार की वर्तमान स्थिति बताते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि 13 फरवरी से एमसीएक्स लॉन्च होने जा रहा है। समस्या यह है कि जमींदार और किसान उसे पूरी तरह इस्तेमाल करना तो नहीं जानते लेकिन कीमतों में मंदी और बढ़ोतरी पर पूरी नजर रखते हैं और उसी के अनुसार अपना माल बेचना चाहते हैं। इस बार एमसीएक्स कुछ बदलाव के साथ आ रहा है ऐसे में इन बदलावों को समझने में भी 1 से 2 दिन का समय लग जाएगा। नतीजा, 15 फरवरी से पहले आवक में बढ़ोतरी होना मुश्किल ही लग रहा है।

महज 400-500 क्विंटल कपास की आवक

हमारे विजय नगर में 11 जिनिंग फैक्ट्री है। माल ना मिल पाने के कारण इनमें से 4 फैक्ट्री तो बंद हो चुकी है। 2-3 बड़ी फैक्ट्री को छोड़ दे तो फरवरी के बाद बाकि फैक्ट्री भी बंद हो जाएगी। आवक इतनी कमजोर है कि फैक्ट्री ज चला पाना बेहद मुश्किल होता जा रहा है। पिछले तीन दिनों की आवक को ही देखे तो विजय नगर क्षेत्र में केवल 400 से 500 क्विंटल कपास आया है जबकि पिछले साल इस समय पर 5-6 हजार क्विंटल रोजाना की आवक थी। इस साल सभी को उम्मीद थी कि नरमा बढ़ेगा जबकि उसमें भी कुछ खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। विजय नगर में पिछले साल 1,61,000 लाख गांठ हुई थी और इस साल 1,75,000 लाख गांठ आई है जबकि अनुमान 2 लाख गांठ से ज्यादा का था।

USDA ने कपास की फसल को 13 लाख गांठ किया कम

यूएसडीए ने अपनी हाल ही में आई रिपोर्ट में भारतीय कपास का आंकलन कम कर दिया है। रिपोर्ट में कपास की अनुमानित 339 लाख गांठ की फसल में से 13 लाख गांठ घटाकर इस साल कपास की कुल आवक 326 लाख गांठ बताई है। यूएसडीए की इस रिपोर्ट पर कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अतुल गनात्रा जी के एक साक्षात्कार के कुछ जरूरी अंश:



ATUL GANATRA
(CAI PRESIDENT)

सवाल - यूएसडीए ने भारतीय कपास की फसल को कम कर दिया है। आप इस संख्या को कैसे देखते हैं और यदि आप यूएसडीए फसल संख्या की तुलना सीएआई से करते हैं तो इसमें क्या अंतर है?

जवाब - कल रात यूएसडीए की रिपोर्ट आई है। उस रिपोर्ट में उन्होंने भारतीय कपास की फसल को 13 लाख गांठ घटाकर 339 लाख गांठ से घटाकर 326 लाख गांठ कर दिया है। यह सही रिपोर्ट लगती है। सीएआई के अनुसार भारतीय फसल का आकार 330 लाख गांठ है, इसलिए यह यूएसडीए संख्या के करीब है, और हमारे पास फसल समिति के 28 अखिल भारतीय सदस्य हैं। इस बैठक में हम फसल संख्या तय करेंगे। और वैसे भी उत्तर भारत और दक्षिण भारत में कपास की फसल हमारे अनुमान से कम होने की संभावना है, कम आवक चिंता का विषय है क्योंकि पिछले साल की तुलना में हम 60-65 लाख गांठ कम चल रहे हैं उसी हिसाब से इस साल कम आवक है।

सवाल - जैसा कि भारत में कीड़ों के कारण कपास की पैदावार हुई है और आवक कम है। लोकल और एक्सपोर्ट में कॉटन की डिमांड कैसी है?

जवाब - स्थानीय बाजारों में कपास की मांग काफी अच्छी है। कताई मिलें जो 50 से 60% क्षमता पर चल रही थीं, अब औसतन 85 से 90% क्षमता पर चल रही हैं। साथ ही अब मिलें यार्न में 10 रुपये प्रति किलोग्राम का मुनाफा कमा रही हैं, इसलिए कुल मिलाकर स्थानीय मांग बहुत अच्छी है। निर्यात में भी बांग्लादेश से अच्छी मांग है और लगभग 5/10000 गांठ प्रतिदिन कपास का निर्यात हो रहा है। इसलिए कपास की कुल मांग घरेलू और में इस दर पर अच्छी है निर्यात और कताई मिलों का अच्छा समय शुरू हो गया है क्योंकि भारतीय कपास उचित दर पर उपलब्ध है। एक बार यार्न की मांग बढ़ेगी तो स्पिनिंग मिलें भारत में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगी।



Cotton Fiber Testing Services

Delivering Accurate & Reliable Results



"FIRST"

Uster HVI 1000 Cotton Testing Laboratory in
Telangana & Andhra Pradesh

▲ Convenient location -
5 min walking distance from
MGBS Bus Stand, Hyd

▲ Switzerland technology
- Uster HVI 1000

▲ Testing according to global
standards
▲ 12 hours of conditioning as per
ICA Bremen Rules (Germany)
▲ Reports delivered through
email and whatsapp

**WANT
ACCURATE AND DEPENDABLE
RESULTS ?**

Pickup services from MGBS Bus Stand,
JBS Bus Stand and from private bus points

Cotton Fiber Testing Services (CFTS)
Flat No. 15-4-67, 4th Floor, Saraswati Complex, Old Bus Stand Road,
Gowliguda Chaman, Hyderabad - 500012.

Phone Number: 91211 82226, 91210 49801 | Email ID: cfts.hyd@gmail.com

जानिए शेयर निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

4 फरवरी से 11 फरवरी के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एक रिपोर्ट

शेयर मार्केट में यह सप्ताह उतार-चढ़ाव वाला रहा। कुछ कंपनीज ने अपना मार्केट केप पॉजीटिव बनाए रखा तो कुछ कंपनीज के शेयर्स की वेल्यू कम हुई। आईए जानते है बीएससी के मंच पर इस सप्ताह कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स की परफॉर्मेंस -

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	305.95	308	290.35	4.06%
अरविद लिमिटेड	89.9	91.2	88	3.99%
वेलसपन इंडिया	68.1	71.45	66.95	2.58%
नितिन स्पिनर्स	214.5	214.6	199.55	6.60%
रेमण्ड	1435.2	1498.95	1416	4.25%
अक्षिता कॉटन	65.7	65.5	59.4	8.15%

इस सप्ताह के कॉटन मार्केट की हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 11.02.2023

ICE COTTON

MONTH	03.02.23	10.02.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	85.43	85.27	-0.16
MAY	86.11	85.58	-0.53
JULY	86.72	86.07	-0.65

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1608	1620	12
-------	------	------	----

NCDEX (COCUD KHAL)

FEB	2768	2725	-43
MARCH	2711	2706	-5
APRIL	2706	2706	0

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	81.83	82.49	0.66
PAK (Pakistani Rupee)	275.498	271.498	-4
CNY (Chinese yuan)	6.77587	6.80878	0.03291
BRAZIL (Real)	5.15199	5.2156	0.06361
AUSTRALIAN Dollar	1.44426	1.4484	0.00414
MALAYSIAN RINGGITS	4.26008	4.33198	0.0719

COTLOOK "A" INDEX	101.7	100.85	-0.85
BRAZIL COTTON INDEX	102.03	100.24	-1.79
USDA SPOT RATE	83.25	83.09	-0.16
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	22000	22000	0

GOLD (\$)	1877.7	1876.5	-1.2
SILVER (\$)	22.39	22.01	-0.38
CRUDE (\$)	73.23	79.76	6.53

इस सप्ताह कॉटन के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मार्च, मई और जुलाई के सौदा भाव में क्रमशः 0.16, 0.53 और 0.65 तक की कमी आई है।

हालांकि एनसीडीएक्स पर कपास के भाव में इस सप्ताह 12 रूपए की बढ़त हुई है। सप्ताह की शुरुआत में कपास के भाव 1608 रूपए थे जो सप्ताहअंत पर 12 रूपए की बढ़त लेकर 1620 रूपए हो गए। एनसीडीएक्स पर खल के भाव इस सप्ताह घटे है। फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के सौदा भाव में क्रमशः 43, 5 और 0 रूपए की कमी दर्ज की गई है।

अन्य एक्सचेंज मार्केट पर भी इस सप्ताह कॉटन के दाम में गिरावट देखने को मिली। कॉटलुक ए इंडेक्स पर 0.85, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.79, और यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.16 तक की कमी दर्ज की गई है। जबकि पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट के भाव में इस सप्ताह कोई अंतर नहीं आया है।

महाराष्ट्र: बाजार में कपास की उपलब्धता घटी: मंजीत सिंह चावला



Manjeet Singh Chawala
(EX-president madhyanchal cotton)

कपास की कम उपलब्धता के बीच मध्य प्रदेश की करीब 200 जिनिंग इकाइयां लगभग 20-30 प्रतिशत क्षमता पर चल रही हैं। मध्य प्रदेश कॉटन जिनर्स एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह चावला ने कहा, 'बाजार में कपास की उपलब्धता बहुत कम है और इससे पीक अवधि में जिनिंग इकाइयों की खरीद प्रभावित हुई है। बाजार में कच्चे कपास की कमी के कारण धागे का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।'

50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट




दिसंबर से फरवरी की अवधि सबसे अधिक होती है जब स्पिनिंग और जिनिंग उद्योग बाजार से कच्चे कपास की खरीद करते हैं और कपड़ा और परिधान इकाइयों के लिए धागे का उत्पादन करते हैं। कपास की आवक में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, क्योंकि किसानों को उम्मीद है कि उच्च कीमतों ने कच्चे कपास की खरीद को चरम प्रसंस्करण अवधि में स्पिनिंग और जिनिंग इकाइयों द्वारा प्रभावित किया है, जिससे वस्त्र और कपड़ा इकाइयों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

किसानों ने आपूर्ति रोक दी

मिलें आमतौर पर कम से कम 3 महीने के लिए इन्वेंट्री बनाती हैं, लेकिन कपास की कम उपलब्धता के कारण इस साल स्टॉक में एक-दो महीने की गिरावट देखी जा रही है। चावला ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद में किसानों ने आपूर्ति रोक दी है। कपास के प्रमुख व्यापारिक केंद्र खरगोन हाजिर बाजार में कच्चे कपास का भाव शुक्रवार को 60,000 रुपये प्रति कैंडी से 63,000 रुपये प्रति कैंडी पर कारोबार कर रहा था। कारोबारियों ने कहा कि कपास की कीमत कपास में 85,000 रुपये प्रति कैंडी को छू गई थी।

मनचाही क्षमता पर नहीं चल पा रहा उद्योग

उद्योग के जानकारों के अनुसार, खरगोन के हाजिर बाजार में कपास की दैनिक आवक 10,000 क्विंटल दर्ज की गई है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 30,000 क्विंटल थी। ओटाई इकाइयों के मालिक कैलाश अग्रवाल ने कहा, 'उद्योग मनचाही क्षमता पर नहीं चल पा रहा है। पीक सीजन के बावजूद हम 20-30 फीसदी क्षमता पर चल रहे हैं क्योंकि कच्चा माल उपलब्ध नहीं है। हाजिर बाजारों में कच्चे कपास की कमी के कारण धागे का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।'

The Central Organisation For Oil Industry & Trade

आज़ादी का अमृत महोत्सव

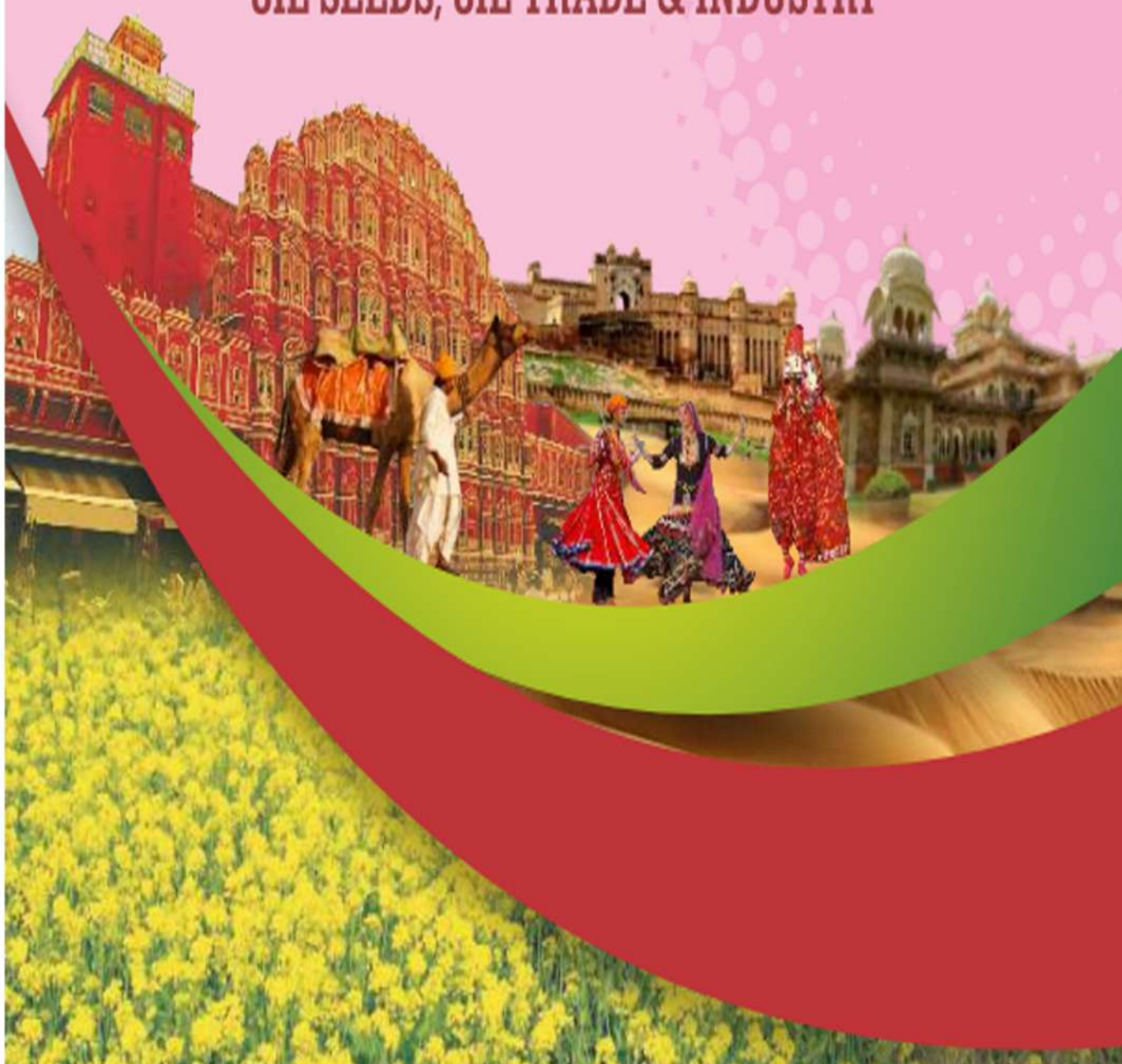
Mustard Oil Producers Association of India

R A J A S T H A N

पधारो म्हारे देश


43rd

ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023
HOTEL CLARKS AMER
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023
BIRLA AUDITORIUM
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

Mustard Oil Producers Association of India

BABU LAL DATA President 9829099922	K.K. AGARWAL Secretary 9414023541	PARAS JAIN Treasurer 9610232000	ANIL CHATAR Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

Office : Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)
Fax: +91-141-2554972 • website : www.info@mopaindia.org • E-mail : info@mopaindia.org

Seminar Office : B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : mopa.jaipur@gmail.com

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

- इंडियन गारमेंट एक्सपोर्टर को समान अवसर देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का “मुक्त व्यापार समझौता”**
 इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के साथ हस्ताक्षरित भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 29 दिसंबर से प्रभावी होगा, जो भारतीय परिधान और होम टेक्स्टाइल निर्यातकों के लिए फायदेमंद होगा।
- इस सीजन नार्थ झोन में कपास की आवक 10 लाख गांठ कम**
 सीजन में उत्तरी क्षेत्र में कपास की आवक कम से कम 10 लाख गांठ कम हुई है। इंडियन कॉटन एसोसिएशन लिमिटेड (आईसीएएल) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस सीजन में 31 जनवरी तक 26.17 लाख गांठ की आवक हुई, जबकि पिछले सीजन की इसी अवधि में 36.84 लाख गांठ की आवक हुई थी।
- जानिए कैसा रहेगा ZCE कपास वायदा बाजार का प्रदर्शन ?**
 2 फरवरी से, ZCE कपास वायदा नीचे गिरना शुरू हो गया। वसंत महोत्सव की छुट्टी से पहले आखिरी कारोबारी दिन के स्तर पर वापस लौट आया। ZCE प्रमुख कपास अनुबंध अक्टूबर 2022 के अंत में 12,270 युआन/एमटी से बढ़कर छुट्टी के बाद 15,275 युआन/एमटी के उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो 3,005 युआन/एमटी या 24.5% की वृद्धि है।
- भारत का वार्षिक कपड़ा, परिधान, निर्यात 41 फीसदी बढ़ा**
 कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने कहा कि वित्त वर्ष 2022 में भारत का वार्षिक कपड़ा और परिधान निर्यात पिछले साल की तुलना में 41 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 44.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। उन्होंने परिधान निर्माताओं और निर्यातकों से नवीनतम फैशन रुझानों से मेल खाते हुए नवाचार और गुणवत्ता पर जोर देने की अपील की।
- बेहतर कीमतों की प्रतीक्षा में, कुछ भारतीय किसान छतों पर कपास का भंडारण करके रखा है**
 चूंकि उत्पादकों के पास रोके रखने की क्षमता है, इसलिए इस सीजन में आवक 30% कम है। पहली बार, भारतीय कपास किसानों ने, विशेष रूप से कर्नाटक और तेलंगाना में, अपनी उपज के बेहतर मूल्य प्राप्त करने की प्रतीक्षा में, अपने छतों और पिछवाड़े पर कच्चे कपास (कपास) का भंडारण शुरू कर दिया है।

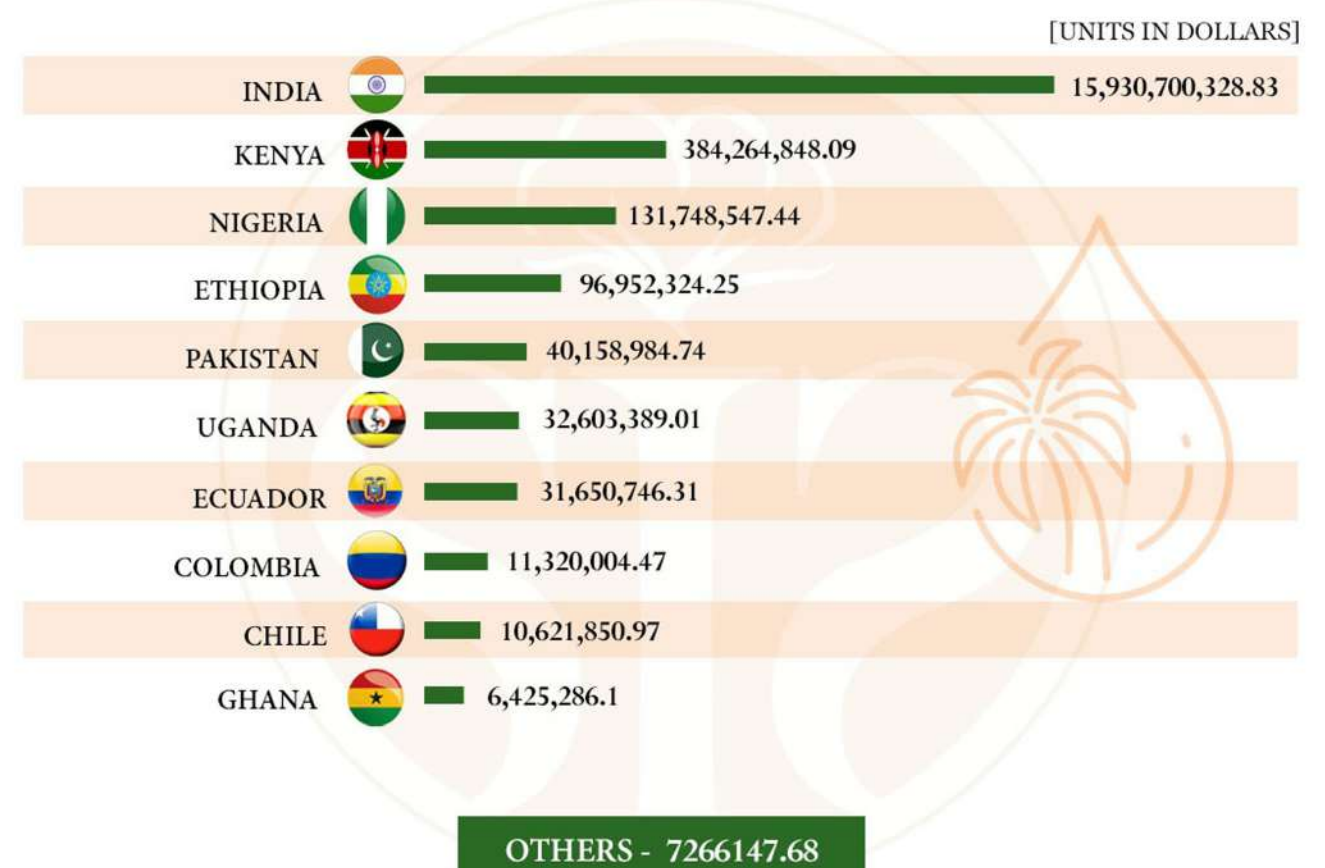
पाम ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार है भारत

जनवरी 2022-23 के बीच हुए क्रूड पाम ऑयल के आयात और निर्यात पर आधारित एसआईएस की स्पेशल रिपोर्ट

पाम ऑयल की खपत करने वाले प्रमुख देशों के नाम की सूची में भारत पहले स्थान पर है। जनवरी 2022-23 की ग्लोबल इम्पोर्ट रिपोर्ट पर नजर डाले तो भारत ने 15 सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा कीमत के पाम ऑयल का आयात किया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर पाम ऑयल का आयात करने वाला देश केनया है जो भारत से काफी पीछे है। इतना ही नहीं पाम ऑयल खरीदने वाली प्रमुख कंपनी की सूची में भी शीर्ष 5 स्थान पर भारत की ही कंपनी का ही कब्जा है।

पाम ऑयल का निर्यात करने वाले प्रमुख देशों में सिंगापर पहले स्थान पर है। जबकि मलेशिया और इंडोनेशिया दूसरे और तीसरे स्थान पर है। जनवरी 2022-23 के बीच हुए क्रूड पाम ऑयल के आयात और निर्यात पर आधारित एसआईएस की स्पेशल रिपोर्ट पर एक नजर

TOP BUYER COUNTRIES OF CRUDE PALM OIL





NEWSLETTER

Saturday, 11 February 2023 | Volume - 32



Maharashtra: Cotton Shortage Impacts Procurement and Yarn Production: Manjit Singh Chawla

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



**GOLD : 56780
SILVER : 66735
CRUD OIL : 6563**

Reported that the arrival of cotton has once again slowed due to the news of the relaunch of MCX. This has caused major losses for cotton traders, particularly ginners. Although there was a brief improvement in arrivals following December, the announcement of MCX's launch resulted in a decrease once again. Big farmers and landlords are taking this news as a sign of increasing cotton prices, leading them to hold back their sales. The situation will become clear only after the launch of MCX on February 13th.



Relaunching of MCX, Results into Slow Arrival

Amit Sita Ram Sharma
(Vijay Nagar, Rajasthan)

Correct estimation of crop is necessary

Amit emphasized the importance of correct crop estimation in the cotton trade for making business policies, but stated that it is difficult to make accurate predictions. The crop is estimated based on acreage as soon as sowing starts, but it ultimately depends on the weather. This year, rains have ruined many crops in Haryana and Punjab. The correct estimate can only be made when the crop is half-ripe.

Improvement in arrivals is difficult before February 15

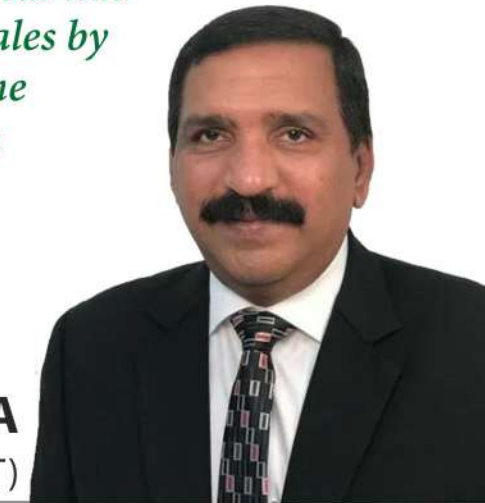
Amit Sita Ram Sharma stated that it will be challenging to see an improvement in arrivals before February 15th. He explained that landlords and farmers are unsure of how to use MCX effectively, but are closely monitoring prices and want to sell their goods accordingly. The new changes in MCX will take time to understand, making it difficult to increase arrivals before the 15th.

Only 400-500 quintals of cotton arrived

Amit reported that there are 11 ginning factories in Vijay Nagar, but due to the lack of available goods, 4 have already been closed, with the remaining factories expected to close by February. The weak arrival has made it difficult to run the factories, with only 400-500 quintals of cotton arriving in the Vijay Nagar area in the past three days, compared to the 5-6 thousand quintals daily at this time last year. Despite expectations of an increase in soft loans, there has been no significant change in this area. The production of cotton in Vijay Nagar was 1,61,000 lakh bales last year and 1,75,000 lakh bales this year, though the estimate was over 2 lakh bales.

USDA curb Indian cotton arrival by 1.3 million bales

USDA has reduced the assessment of Indian cotton in its recent report. In the report, out of the estimated crop of 339 lakh bales of cotton, the total arrival of cotton this year has been reduced to 326 lakh bales by reducing 13 lakh bales. Some important excerpts from an interview of Atul Ganatra, President of Cotton Association of India, on this USDA report:



ATUL GANATRA
(CAI PRESIDENT)

Question - USDA has reduced Indian cotton crop. How do you look at this number and what's the difference if you compare the USDA crop numbers to the CAI?

Answer - Last night the USDA report came. In that report he has reduced Indian cotton crop by 13 lakh bales from 339 lakh bales to 326 lakh bales. This seems to be a correct report. The Indian crop size as per CAI is 330 lakh bales, so it is close to the USDA numbers, The committee has 28 all India members. In this meeting, we will decide the crop number. And anyway cotton crop in North India and South India is likely to be less than our estimate, less arrival is a matter of concern as compared to last year we are running 60-65 lakh bales less accordingly this year less arrival is.

Question - As cotton crop has been affected in India due to insects and the arrival is less. How is the demand for cotton in local and export?

Answer - The demand for cotton is very good in the local markets. Spinning mills which were running at 50 to 60% capacity are now running at an average of 85 to 90% capacity. Also now mills are making profit of Rs 10 per kg in yarn so overall local demand is very good. There is good demand in export also from Bangladesh and about 5/10000 Bales of cotton are being exported daily. So overall demand of cotton is good at this rate in domestic and export and spinning mills have started good time as Indian cotton is available at reasonable rate. Spinning mills in India will do very well once the demand for yarn picks up.

Tips for New Generation

Amit's advice to the new generation is to work hard and gain experience in the cotton business. He stated that the business season lasts for 6 to 8 months, but the hard work is necessary year-round. Experience is more important than bookish knowledge in this field, and is the key to success.



Cotton Fiber Testing Services

Delivering Accurate & Reliable Results



"FIRST"

Uster HVI 1000 Cotton Testing Laboratory in
Telangana & Andhra Pradesh

▲ Convenient location -
5 min walking distance from
MGBS Bus Stand, Hyd

▲ Switzerland technology
- Uster HVI 1000

▲ Testing according to global
standards
▲ 12 hours of conditioning as per
ICA Bremen Rules (Germany)
▲ Reports delivered through
email and whatsapp

**WANT
ACCURATE AND DEPENDABLE
RESULTS ?**

Pickup services from MGBS Bus Stand,
JBS Bus Stand and from private bus points

Cotton Fiber Testing Services (CFTS)
Flat No. 15-4-67, 4th Floor, Saraswati Complex, Old Bus Stand Road,
Gowliguda Chaman, Hyderabad - 500012.

Phone Number: 91211 82226, 91210 49801 | Email ID: cfts.hyd@gmail.com

Know how this week was for stock investors

A report on the share value of major textile companies between February 4 and February 11

This week was volatile in the stock market. Some companies maintained their market cap positive while the value of shares of some companies decreased. Let us know how the shares of major textile companies performed this week on the platform of BSC -

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	305.95	308	290.35	4.06%
अरविद लिमिटेड	89.9	91.2	88	3.99%
वेलसपन इंडिया	68.1	71.45	66.95	2.58%
नितिन स्पिनर्स	214.5	214.6	199.55	6.60%
रेमण्ड	1435.2	1498.95	1416	4.25%
अक्षिता कॉटन	65.7	65.5	59.4	8.15%

A look at this week's cotton market movement

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 11.02.2023

ICE COTTON

MONTH	03.02.23	10.02.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	85.43	85.27	-0.16
MAY	86.11	85.58	-0.53
JULY	86.72	86.07	-0.65

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1608	1620	12
-------	------	------	----

NCDEX (COCUD KHAL)

FEB	2768	2725	-43
MARCH	2711	2706	-5
APRIL	2706	2706	0

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	81.83	82.49	0.66
PAK (Pakistani Rupee)	275.498	271.498	-4
CNY (Chinese yuan)	6.77587	6.80878	0.03291
BRAZIL (Real)	5.15199	5.2156	0.06361
AUSTRALIAN Dollar	1.44426	1.4484	0.00414
MALAYSIAN RINGGITS	4.26008	4.33198	0.0719

COTLOOK "A" INDEX	101.7	100.85	-0.85
BRAZIL COTTON INDEX	102.03	100.24	-1.79
USDA SPOT RATE	83.25	83.09	-0.16
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	22000	22000	0

GOLD (\$)	1877.7	1876.5	-1.2
SILVER (\$)	22.39	22.01	-0.38
CRUDE (\$)	73.23	79.76	6.53

A decline has been registered in the price of cotton this week. On the International Cotton Exchange, the rates for March, May and July have declined by Rs 0.16, 0.53 and 0.65 respectively.

However, the price of cotton on NCDX has increased by Rs 12 this week. At the beginning of the week, the price of cotton was Rs.1608, which increased by Rs.12 to Rs.1620 at the end of the week. Oil prices on NCDX have decreased this week. The deal price for the months of February, March and April has decreased by Rs 43, Rs 5 and Rs 0 respectively.

Cotton prices also declined on other exchanges this week. 0.85 on the Cotlook A Index, 1.79 on the Brazilian Cotton Index, and 0.16 on the USDA Spot Rate. Whereas there has been no difference in the price of KCA spot rate of Pakistan this week.

Maharashtra: Cotton Shortage Impacts Procurement and Yarn Production: **Manjit Singh Chawla**



Manjeet Singh Chawla
(EX-president madhyanchal cotton)

Due to a shortage of cotton, around 200 ginning units in Madhya Pradesh are operating at 20-30% of their capacity, according to Manjit Singh Chawla, the President of the Madhya Pradesh Cotton Ginners and Traders Association. Chawla stated that the low availability of cotton in the market has hindered procurement during the peak period, resulting in a decrease in yarn production.

Over 50% Decrease in Cotton Arrivals




The peak period of December to February is when the spinning and ginning industries usually purchase raw cotton to produce yarn for textile and apparel units. However, this year, the arrival of cotton has declined by over 50% as farmers are holding back supplies in expectation of higher prices, impacting procurement by the spinning and ginning units.

Farmers Halt Supplies

Traditionally, mills keep a 3-month inventory of cotton, but this year the stock is lower, lasting only a couple of months, due to the shortage of cotton. Chawla stated that farmers have ceased supplies due to their anticipation of rising prices. Currently, raw cotton is trading at a range of 60,000 to 63,000 Rupees per candy in the Khargone spot market, the major cotton trading center, with prices having reached 85,000 Rupees per candy.

Industry Running Below Desired Capacity

Industry experts report that the daily arrival of cotton in the Khargone spot market has decreased to 10,000 quintals, compared to 30,000 quintals during the same period last year. Kailash Agarwal, the owner of ginning units, said that the industry is operating below its desired capacity, running at only 20-30%, as a result of the shortage of raw cotton in the spot markets. This is affecting yarn production.

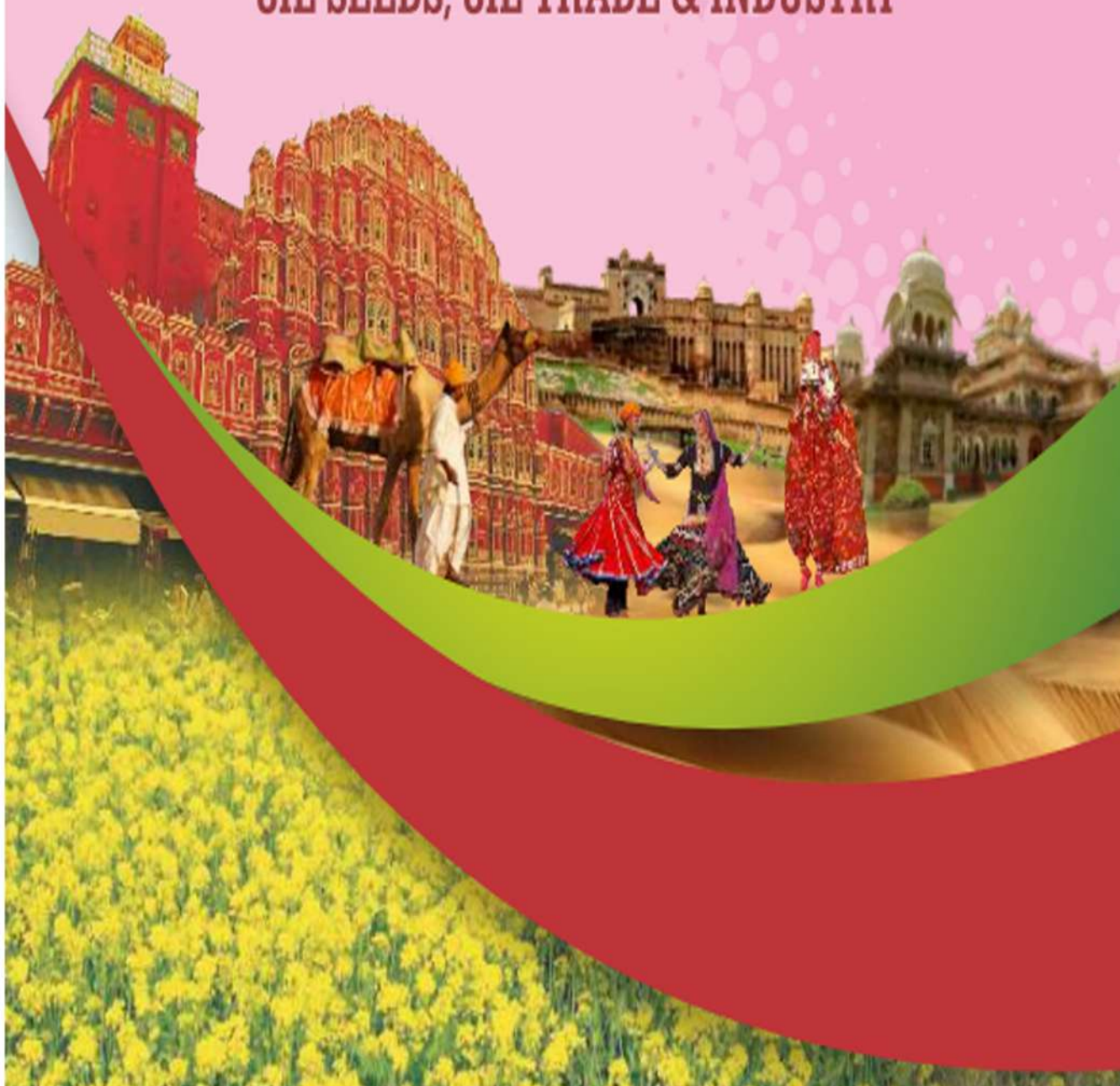




R A J A S T H A N

पधारो म्हारे देश


43rd

ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023
HOTEL CLARKS AMER
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023
BIRLA AUDITORIUM
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

Mustard Oil Producers Association of India

BABU LAL DATA President 9829099922	K.K. AGARWAL Secretary 9414023541	PARAS JAIN Treasurer 9610232000	ANIL CHATAR Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

Office : Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)
Fax: +91-141-2554972 • website : www.info@mopaindia.org • E-mail : info@mopaindia.org

Seminar Office : B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : mopa.jaipur@gmail.com

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

India's "Free Trade Agreement" with Australia aimed at providing a level playing field to Indian Garment Exporters

India Ratings and Research (Ind-Ra) believes that India's Free Trade Agreement (FTA) signed with Australia, effective from December 29, will be beneficial for Indian apparel and home textile exporters

Cotton arrivals in North Zone less than 10 lakh bales this season

The arrival of cotton in the northern region has reduced by at least one million bales in the season. According to data provided by the Indian Cotton Association Limited (ICAL), this season saw arrivals of 26.17 lakh bales till January 31, as against 36.84 lakh bales in the same period last season.

Know-how will be the performance of ZCE cotton futures market?

From February 2, ZCE cotton futures started to fall. It reverted to levels the last trading day before the Spring Festival holiday. The ZCE prime cotton contract has risen from 12,270 yuan/mt at the end of October 2022 to a post-holiday high of 15,275 yuan/mt, an increase of 3,005 yuan/mt or 24.5%.

India's annual textile, apparel, exports up 41 percent

Minister of State for Textiles Darshana Zardosh said that India's annual textile and apparel exports in FY22 are expected to reach US\$ 44.4 billion, a growth of 41 per cent over the previous year. He appealed to the apparel manufacturers and exporters to emphasize on innovation and quality while matching the latest fashion trends.

Farmers waiting for better prices

As growers have holding capacity, arrivals are down 30% this season. For the first time, Indian cotton farmers, especially in Karnataka and Telangana, have started storing raw cotton (cotton) on their terraces and backyards, waiting to get better prices for their produce.

India Leads the World in Palm Oil Consumption

As per the SIS Special Report on the import and export of crude palm oil during January 2022-23, India tops the list of countries with the highest consumption of palm oil. The country imported palm oil worth over \$150 million, according to the Global Import Report for January 2022-23. Kenya, the second largest importer of palm oil, falls far behind India. In addition, the top 5 positions in the list of major palm oil buyers are occupied by Indian companies.

Singapore is the leading exporter of palm oil among the major countries, with Malaysia and Indonesia coming in second and third, respectively. The SIS report on the import and export of crude palm oil between January 2022-23 provides further insights.

TOP BUYER COUNTRIES OF CRUDE PALM OIL



[NOTE : THE DATA MENTIONED ABOVE ARE FROM JAN 2022-JAN 2023 AND ARE APPROXIMATE AND NOT ACCURATE FIGURE.]